₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 78; 01/09/2018

बिषय सूची

नेरेन बलाऐ कथा	1
केहु के कथा	2
सच्चा प्यार	3
कविता–जिन्दगी	4
लातोणि धाम	4
खास वचन	4

अस सोब तुबारि टिमे बाड़े 23 अगस्त, तिएस जे गड़ी झड़ो थी, तथ अन्तर जे मेहणु मरो थिए, तेन्के आत्मा जे शान्ति मगते, त

तेन्के गीहे बाड़ि जे बि प्रार्थना कते। कि से सोब सुसुर लौते।

नेरेन बलाऐ कथा

ए यक मोटा पुरुषा थीआ, जे कि घंणें झोंट बणांताथ। किस कि तेस तती तागत थी। यक रोजे बोक भो, बोले की कुफे ठाकुरे फुलयाटुड़ अगर अपु घरे छत देणे करो थी। तेन से न धामा। तेस कोई पता लगा से चिन्याहार धे किएउ जे थिया। तेस लग गा पता से तेठिया हेरी बठा। जिखेई से कालेउ खां जे गे त से बीर आ दे तेन दार कान किया दे बिच चा अन्तर डुबा। त अपफ हालमे बच नियोक बिशा। जिखेई से गी कियां ए, त ठाकुर पता लग गा कि तेसेरी कम भो। तेन तेस जे हक दिती त बोलु 'मोंउ केयां गलती भोई गई। मेई तोउ जे धाम न करी। में भाई, तु जेठी बी असा भीं निस।'

त से भीं निसा त तोउं ठाकुरे से अपु गी नीयां। त तेसे धे रोठी–धोठी दिती। तेन कोई दश जेई रोठी खेई। से तेस हेर नराज भो थिआ। तेसे जे भेणी थी, तेन्ही से हउ छेड़ा त तोउं तेन हउ खाउ। तेन तेन्ही भे छड़ाई छड़ी। तेन्ही दुबारी तेस जोई केदी हसाड़ ना किया। तेस कियां बाद से तेठीया गा। तेस जे बोलु कि 'मित्रा मोउं जे यक दार होरा आण।' तोउं तेन तेठीया झोठू बान्ठी घंण निया। तेन महलीत तकर से हात हेरा नाउ कि मेई की आणो असु। तेन तेखेई तेठी पुआणी पीं जे से भीं छड़ा त तेन हेरु की तेन झोठु नेई आणो, तेन त घंण आण्हो असु। तेन हेरु अब त

मेई ए आणी छओ असा, त तेन से फाट पुठ रगड़ा दे, झोटे ई बणाई छड़ा। त तेस केयां बाद से तेठीया शेटुएण गा त तेन तेठी यक हाड़ी कटी त एकेले से ठाकुरे गी पुजाई। से खुश भोई गा कि ऐन त में दश मेहणु के कम एकेले करु। तेन ठाकुर जे बोलु की 'तुस इठी घर ना बणा। तुस होर जगही घर बणा।' तेस केयां बाद फिलयेटुड़ जे धेजी एसी, तेठी तेन से दार डुबाई छड़े। तेन बोलु 'तुस आज कियां बाद इस जगाही केदी घर ना बणाई सकते। तेन तेठि धोड़े थच बणा।

विनोद कुमार, मो. न. 9459828290

लेहु दान करे

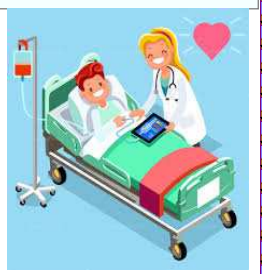

लेहु दान करण चहिए किस कि तेसे बोलि अस त सुसर रहेंते, पर केसे होरी बि कम ऐंतु। एसे बोलि केसे होरि जीवन मेता त कि तुसि माड़ु लगतु ना ? टेम-टेम बठ तुस सोभ अपु लेहु होरी दे दिया करे जेसे बोलि तुस स्वास्थ रहेते, त होरि जीवन मेता।

धाणि त तसे जुएली

केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, आठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचांते त तेस

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

केहु के कथा

हें पांगेई अतु अब्बल असु कि जेसे कि कोई बोक नेई। हें पांगेई हर यक ग्रां यक किछ न किछ बोक त पक्की असी जीं यक बोक तुसी आज हुनाणे केहु के कथा शुणांता। ए बड़ी पुराणी बोक भो। हुनाण अन्तर बहारा बीहो हुनाण भुइया कतुथ। से कवास हिंगरुएश मुहुरी कियां हुनाण भटोरी तकर थी। तोउं त आज तकर बी यके राग असे त हें कवास टजे कोई बी मेहणु आज तकर बी हुनाणे जाठी घियाल त तेस बी पुरे चाउ चार करण एंते त तेस बी शेण लांते।

यक बड़ी पुराणी बोक तुसी जे लाण लगो असा कि जे केहु थिए। से बोड़े ताने–माने त शगती बाड़े थिए। से उडरतेथ बी। तेंके घर हुनाण भाटोस थिए। तेस जगाही नाउ 'केहु कारण' असु। तेठी तेंके पुआणी बी असु। तेस पेणी यक बोक बोता। तेन पेण बइ राकस मेहणु के मुनी धुंता। आज बी चेले मेहणु से ढयाणी बठ केतु कि टुंटा राकस तेठी मुनी धुंता। तुसी बी एस बोकी पुरा पाता भोला। कोउं बोते हें पांगेई राकस नेई? पर ए हें पागल बोक असी कि से नेई। पर में हसाब जोई त असे, किस कि बस्ते हर साल बोते कि आज रेकुस जमते त से अगर धुपी तिएस जमे त से फुकी घेंते। मेगे तिएस जमते त बी फुकी घेंते। जे अगर महेण मेग रीहा त से न मरते त से पुरी साले फसल नी छंते। किस कि तेस साल किछ बी फर बरगत ना भुंती। फसल से पुरी फुकी घेंती या त पकीण बकत मेगे बोली खराब भोई घेंती। केसे साल हुनाणे पार ढेसे कोश बि मेहणु काओ असे त से बोल देंते की एउंशू खास फसल ना भुंती। केसे केसे बहेरी त मेहणु भेरदीएणू धे राकसे खुरे नशण बी मेता। से 5, 6 हात लंमा भुंता। से की केसरी मेहणु खुरे नशण थोड़ी ना भो। से त राकसे खुरे नशाण भुंता।

यक बोक बोता तुसी जे बोडी पुराणी जिखेई केहु थीए, से उडरतेथ। से रेई धे बी सउ वार पुजु, जे उडार दी कइ घेंतेथ त तेठीया फिर बार पुज कइ दुबारी फी उडरी कइ एंतेथ। यक फेरी तेन्ही हुनाणे अन्तर रामेशी 8 भणुआटी राती राकस रात भई उलटी शेण ला त यक दुई फेरी राकसे जुएली तेस हक देण जे आए, पर से कोठीया शुणताथ। से त केहु शेण लाओ थिया। भ्यागे पथवारी टेम तेखेई से मारी गा। वो बचारे कोईए जंग बठ तुरघोड़ झड़ा दे तेसे जंघी बी टुटी गई। त से अपु धाणि हक देण जे आई त से बी मर गओ थिआ। त तेन राकसणी केहु जे बोलु कि 'तुसी त में धाणि मार छा, अब में कुआ कोउं पाड़ता?' तेखेई केहु तेस वर दिता कि ऐस 3 रोज बाच त तेखेई केहु तेठिया यक जाओरा उमा लिडिया त से तेठिया जोहु कइ 3, 4 कि0 मी0 दुर से उमा झड़ा त हुनेणु जे बोलू 'आज कियां बाद तुसी भणुआट तेठी करीं। तेस कियां बाद आज तकर बी हुनाणे मेहणु भणुआट तसे जगाही बठ कते।

आज तकर बी से राकस उगरी शारवाटी नोउ फुलयाट 8 भणुवाटी से बाच खुलती त तेस 3 दखेणे हुनाणे टाठीड़ तेस बानता। से केघेली बेश ऐंता त तेस से बन छंते। पर से एन्ही टोहोई तिहारी अपु खर्च नेंता। हुनाण केहु के कारण तेंके घर बी असा। तेठी पंतु तेंके पुआणी बी असु त तेठी आज तकर बी राकस मेहणु के मुनी धुंता त तेठेंकण पुआणी बोते पहेला लाल भुंतुथ त तेठी से दुधे त केसर वहार देंतेथ । तोउं जाई कोई तेठे कण तेस पोण पींतेथ। आज त भला अब मेहणु केसे बी न मनते त राकसी त भूत प्रेत कोठि मनण लगे?

तेंकेरी यक युद्धे बारे बतांता अउं। यक टेमी बोक भो की हें हुनाण जिखेई केहु थिए त तेखेकण बोक भो ए। गनारी भुठोरी यक मेहणु हें हुनाण धार आ त से हुनाण भटोरी बिशा। त तेन यक भोटली जोई लाच बेनी गा त से पांच छ्या महेन हुनाणे रेही गा। पता यक रोज तेस अपु गिहे चेता एण लगा त से अपु चुरी हेरण लगा त तेसे 6 चुर थी। तेस बिचा यक चुरी नेओथ जे कि सुआ दुध देंतीथ। तेन हुनेणु जे गिऐ दिती त से अपु गी जे नाश गा। त तेन गी अपु जुएली जे बोलु 'तेन्ही हुनेणू में यक चुरी छापी नियो असी त तु खाड़े चणां त अउं राए फोज धामी ऐंता।' तेसे जुएली से समझा। से बोड़ा भारी बदमाश थिया। तेन अपु जुएली यक न मानी। तेस कियां पता से राए राजे के गा त तेन तेस जे बोलू से तियारी गा त से तेठीया नाठे त जिखेई से रंथ बठ जे पुजे त केहु पता लग गा। त से उडीर कइ भटोरी पुजे त तेन्ही टेशी जे हक दी कइ बोलु कि राए फोज त कुन जंघाल जे ऐई गओ असी। हउ बी उगी बिश्ता ना हुनेणू खेणेरी दे त से नाठा त से सोबी हुनेणू खेड़ेरता। तेस टेम थिए हुनाण किंया कवास हिंगरवाशी मुहुरी तकर सोभ यके टज। त से नाठे त भेरनी पाधर भारी राऐ फोज थी।

तोउं केहु बोलु कि अगर ए बज गे त अस जीत घेंते। अगर ना बजे त अस हार घेंते। केहु या ढेढुड़ा मंगणट लेहु भरु दे दिता उडार। तेन पुठे कियां लेहुए बइ से भरे त राए राजे मगर ठुटका दे। केहु यके दुती दे राजे मगर बठ कानी बइ तेसे मगर कियां ये कान जाई धरती अन्तर घेई गई त तोउं तेंके सोब सेना बी मरी त तेस किंया बाद बोले कि टेशीये खरु खोटु 12 बीयो हुनाण केनी ना भेनीतुं?

केहु यक टेम करेस कियां कानी बाही त बही त टमनु कुण यक गगर बीनी त तेठिया टकोस लोबी बट तेस किंया पता टुनुरु चोउर तेठी। तेठी केहु के जाक थीया। तेन्ही अपु ताणवारी हुनाण फाट डुबाई छेई। आज तकर बी से तेठी केती महेणु बोते कि तेन्ही अपु गभुरु बी अपु ई उडरणे बाड़े बणा लाओ थिए। तेन्ही अपु गभुरु के धे उडरणे मंत्र त दिते। पर पोउणे मंत्र देण भुल गे। यक रोज बस्ते टेम बोते, से दुओ गभुरु बग जन देण जे लगे दे से नाठे तेन्ही दुओई तहाणे जंघाली किंया उडार दिता दे। से जां त कोठी नाठे। उडीरी कइ पता तेन्ही याद आई की गभुरु को गे। तेन्ही याद आई की तेन्ही अपु गभुरु उडरणे मंत्र त दुतो असे पर पोउणे मंत्र नेई दुतो। तेखेई तेन्ही मंत्री कइ अपु गभुरु भीं कढ़े त से मारो थिए। से दुहो रोलुण लगे कि असी कि कइ छउ? हें बेलि अंपु गभुरु मरी गे।

विनोद कुमार

सच्चा प्यार

यक कुआ यक कुई जुओई सुआ प्यार कताथ। से बि तेस कुआ जुओई सुआ प्यार कतीथ। पर तेस कुई ई बोउ तेस कुआ पसंद ना कतेथ, किस कि तेस कुआ बोक करणे कोई ढंग ना थिया। कुआ समझी गा त से कुआ तेस कुई केईं गा त तेस जे बोलु, "मोउं पता असा, कि तें ई बोउ मोउं पसंद किस ना कते। पर अब अउं सुधीर घेन्ता।" कुई खुश भोई गई त तेन तेस कुआ जे बोलु "में ई बोउ जुओई बोक कर।" कुआ कुई ई बोउ केईं गा त तेन्हि जुओई वादा किया कि से सुधीर कइ खरा मेहणु बण घेन्ता। कोईए त कुई ईए बोउए रजामंदी जुओई तेन्हि दुहि के पलम पी छइ, त दुहि यक होरी ऑंगोठि लवाई छड़ी। तोउं से कुआ बाहरी देश जे घेई गा, अगर पढ़ुण जे। तधोरिया से रोज के तेस कुई जे फोन कता रेहंताथ।

यक रोज से कुई त तसे ई बोउ घुमण जे गो थिए त गी जे वापस एणे टेम यक गाड़ी बेलि तेन्के एक्सीडेंट भोई गा। चेरे ई तेस कुई टीर खुले त तेन हेरु कि तसे ई बोउ ती लियरी देण लगो असे। तेन्हि सुआ चड़ग लगो थी। से कुई किछ करण चहंतीथ, पर तेस बि सुआ लगो थी। तोउं मेहणु से हस्पताड़ पुजए। तठि तेन्के ईलाज भुआ। पर डॉक्टरे तेस कुई ई बोउ जे बोलु "तूं कुई आवाज घेई गो असी, ए अब कदी बोल ना सकती।" से कुई इ शुण कई सुआ डर गई। तोउं तसे ईए बोउए से हस्पताड़ केआं गी अहणती। तेस कोईए रोज रोज फोन ऐंतेथ, पर तेन कुई कदी तसे फोन ना उठा। से कुई तेस कुआ दुखी करण ना चहंतीथ। तेन कुई तेस कुआ जे चिटटी लिखी "मोउं भुल गा। अउं अब तोउ जुओई प्यार ना कती।" तेन कुई चिट्टी जुओई पलमी ऑगोठि बि वापस लंघाई छड़ी। से कुई सुआ दुखी बिशण लगी त दन रात रोलती रेहंतीथ। तेस कुई ई बोउ सोचुण लगे कि अगर अस इस जगाई छड़ दी कइ कोठि होर जगाई जे घेई घियुं त शायद हें कुई तेस कुआ बिसरी घिएल। ईं सोच कइ तेन्हि अपु घर बेची छड़ा त से होर जगाई जे घेई गे। तठि से कुई हथ भाषि शिचण लगी त से झठ हथ भाषी शिच गई। से कुई रोज अपु ईया बोउ जे हथ भेषि कर कइ बोतीथ "मेईं से कुआ भुलाई छड़ा।"

सुआ रोजे बाद तेस कोईए दोस्त तेस कुई केईं आ त तेस जे बोलु कि से तोउ जुओई मीण चहंता। तेन कुई यक कागज पुठ लिख कइ तेस कोईए दोस्त जे बोलु "तेस कुआ जे ना बताण कि अउं कोठि असी त अब अउं किछ बोल ना सकती।" इस बोक पुठ तेस कोईए दोस्त तठिया घेई गा। 2-3 साले बाद तेस कोईए दोस्त हथ अन्तर यक कार्ड आण्ह कइ तेस कुई गी आ। तेन तेस कुई धे कार्ड दी कइ बोलु, "से अब ब्याह करण लगो असा।" तेन कुई दुखी मन जुओई से कार्ड खोला त हेरु कि दुल्हने जगाई तसे अपु नउ लिखो थियु। तेन कुई पतूं हेरु त से कुआ बि तठि खाखड़ बिशो थिया। तेन कोईए तेस जे हथ भाषी कर कइ समझाउ "एन्हि 2-3 साली अन्तर मेईं बि सिर्फ हथ भाषी शिचि। तोउं त ऐण चेरे लगु। अब जी तू बोती तिहांणी अउं बि बोता।" इ शुण कइ तेस कुई टीरे बइ ऑंखू एइ गे त दौड़ दी कइ तेस कोईए कियाड़ी शची। तोउं तेन्हि दुहिए ब्याह कइ छड़े।

त ए ट्यारेओ! जे होरी जोई प्यार कता से तेन्हि धीरज त दहा-दया जुए धरान्ता। से तेस हेर न जड़ता। से अपु तारिफ अपफ न कता, होर न से घमण्ड कर कइ फुलता। से होरी जोई बुरा बर्ताब न कता। होर न से सिर्फ अपु भलाई बारे सोचता। से बोक बोक पुठ लेहर न कढ़ता। जे कोउं तसे बुरु कते, से तेन्हि केआं बदला नेणे बारे ना सोचता। से होरी के बुरे-बुरे कम हेर कइ खुश न भुन्ता, बल्कि तेन्के सच्चाई त खरे कम हेर कइ खुश भुन्ता। से हमेशा सीढ़ता। से हर हालत अन्तर तस पुठ विश्वास कता। से कदी हिम्मत ना हारता त हमेशा धीरज रखता। तोउं त, जे मेहणु होरी जोई प्यार कता, से कदी न हारता। भविष्य वाणी करीण त अनजाणे भाषा बोलीण शयद कदी न कदी खतम भोई घेन्तु। होर भगवाने बारे जे ज्ञान-बुध्दि असी से बि कदी न कदी शठे घेई घेन्ति। पर प्यार ईं असा जे हमेशा रेहंता।

जिन्दगी

षम्मा सिंह

भो की ए जिन्दगी?
बस घड़ी, दुई घड़ी मेहमान,
छड़ देण एन्ता सोबी,
इस धरती धन मान।
दे भाई कमाण, जेतु तोउ केआं पुगती
पर याद रख कि बेधर्मे कमाई सोब जाई घेन्ति।

मौते सम्हाणि भला कोउं टिग बटो असा ना?
ना भुआ से सिकंदर, होर ना भुआ कोई महात्मा।
सोबी यक रोज छड़ देण भुन्ति अपु जिन,
धिक सोचिया करे भाई, कोठि लो असा, तेईं अपु दिल।

धारे फियुड़ु ईं भो, मनखे जिन्दगी,
केतु अब्बल फुलो असी आज,
टड़ी घेन्ति शुई।
दुई घड़ी ई जिन्दगी अन्तर
मनखे केतु विचार?
सोच रखे तुसी, की कइ करण अपु जिन्दगी साकार।

ना किढ़ रोभ, समझ कइ कि 'ई में भो अपु',
इठिया घेन्त-पेन्त केनि बि कुछ नी ना बटु।
जेतु रोज जीण असु तोउ, जीण दिए पूरे मन लाई कइ,
पर याद रखे देणे एन्ता हसाब, इठिआ घेई कइ।

जात पाते त धरमे वैरभाव छड़ दे, ए मनखा
किस कि मतोक अन्तर अपणेरी देन्ते, धोखा।
प्रेम त भाईचारा बणाण दिए, अपु लक्ष,
नफरत त बुराई केईआं, दूर तु घेई विश।

लातोणी धाम।

जेखेईं हें पांगेई सोब फसल लुणी घेंती त सोब मेहणु एक होरी छेड़ते कि आज तुं लातोण असी। जेंके लुणणे मुकतु तेस गीए जिल्हेणु होरी जिल्हेणु तेस दन धाम देंती, जें जें तेंके लुणण भुंती। तेन्ही जे अराक, मासु, बगेरा बगेरा बड़ांते। ए रीत रवाज हें पचलान कियां चलो असी। त ए असी पुरु जुग–जुग चलां असी। किस कि ए हें पांगेई रवाज भो। एस अस कदी मरुं न देंते।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाइ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

खास वचन

- आशा ई लौती जे तुसी अपु मंजिल तकर नी सकियेल, त मंजील ईं लौती जे तुसी जिन्दगी जीण शिचालियेल, जिन्दगी ई लौती जे रिश्तेदारी कदर करण शिचालियेल, त रिश्तेदारी ई लौती कि जे हर रोज याद करण जे मजबूर भोई घियेल।

- शब्द ईं चीज असे जेसे बझई जुओई इन्सान या त दिल अन्तर बसता या दिल केईया बाहरी निस घेन्ता"।
- भले मेहणु के संगती बेलिए हमेशा भलाई मेती, किस कि ब्यार जपल फियुड़ बीच बइ घेन्ति त से बि खुशबूदार भोई घेन्ती।